महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित नीतियों को विस्तारपूर्वक समझाइए।

परिचय

महिलाएँ और बच्चे किसी भी समाज की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। किसी राष्ट्र का विकास तभी संभव है जब महिलाओं को समान अवसर, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आर्थिक सशक्तिकरण मिले और बच्चों को पोषण, शिक्षा, सुरक्षा एवं समुचित विकास का वातावरण प्राप्त हो। इसी उद्देश्य से भारत सरकार ने महिलाओं एवं बच्चों के संरक्षण, विकास और सशक्तिकरण के लिए अनेक नीतियाँ एवं योजनाएँ लागू की हैं।

महिलाओं से संबंधित नीतियाँ (Policies for Women)

अर्थ

महिला नीति से आशय ऐसी नीतियों से है जिनका उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना तथा उनके अधिकारों की रक्षा करना है।

महिला नीति के उद्देश्य

1. महिलाओं को समान अधिकार एवं अवसर प्रदान करना।

2. महिला शिक्षा एवं स्वास्थ्य को बढ़ावा देना।

3. महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण।

4. महिलाओं के विरुद्ध हिंसा एवं भेदभाव को रोकना।

5. निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना।

6. महिला सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करना।

महिला नीति की प्रमुख विशेषताएँ

लैंगिक समानता (Gender Equality)

महिला शिक्षा को प्रोत्साहन

स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएँ

रोजगार एवं स्वरोजगार को बढ़ावा

महिला सुरक्षा एवं कानूनी संरक्षण

राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी

महिलाओं के लिए प्रमुख योजनाएँ

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

वन स्टॉप सेंटर योजना (सखी केंद्र)

उज्ज्वला योजना (मानव तस्करी से पीड़ित महिलाओं के पुनर्वास हेतु)

महिला शक्ति केंद्र योजना

स्वाधार गृह योजना

बच्चों से संबंधित नीतियाँ (Policies for Children)

अर्थ

बाल नीति का उद्देश्य बच्चों के जीवन, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, सुरक्षा तथा सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है।

बाल नीति के उद्देश्य

1. प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का अधिकार देना।

2. बच्चों को उचित पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना।

3. बाल श्रम एवं बाल शोषण को समाप्त करना।

4. बाल संरक्षण सुनिश्चित करना।

5. बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास को बढ़ावा देना।

6. सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना।

बाल नीति की प्रमुख विशेषताएँ

बाल अधिकारों का संरक्षण।

निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा।

टीकाकरण एवं स्वास्थ्य सेवाएँ।

पोषण कार्यक्रम।

बाल श्रम एवं बाल विवाह की रोकथाम।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सहायता।

बच्चों के लिए प्रमुख योजनाएँ

समेकित बाल विकास सेवा (ICDS)

पोषण अभियान (POSHAN Abhiyaan)

मिशन वात्सल्य

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK)

मिड-डे मील (PM POSHAN)

समग्र शिक्षा अभियान

महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित नीतियों का कार्यान्वयन

1. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा नीतियों का संचालन।

2. राज्य सरकारों के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा योजनाओं का क्रियान्वयन।

3. आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पोषण, टीकाकरण एवं प्री-स्कूल शिक्षा।

4. स्वास्थ्य विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएँ।

5. विद्यालयों एवं पंचायतों की भागीदारी।

6. स्वयंसेवी संस्थाओं (NGOs) एवं समुदाय का सहयोग।

महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित नीतियों का महत्व

1. महिलाओं का सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण।

2. मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी।

3. कुपोषण में कमी।

4. बाल शिक्षा एवं स्वास्थ्य में सुधार।

5. लैंगिक समानता को बढ़ावा।

6. बाल शोषण, बाल श्रम एवं बाल विवाह में कमी।

7. समावेशी एवं सतत विकास को बढ़ावा।

चुनौतियाँ

ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी।

कुपोषण एवं गरीबी।

लैंगिक भेदभाव।

बाल विवाह एवं बाल श्रम।

योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रशासनिक कठिनाइयाँ।

संसाधनों की कमी।

सुझाव

महिला शिक्षा एवं जागरूकता बढ़ाई जाए।

योजनाओं की प्रभावी निगरानी की जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं का विस्तार किया जाए।

बाल श्रम एवं बाल विवाह के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो।

महिलाओं को स्वरोजगार एवं कौशल विकास से जोड़ा जाए।

समुदाय एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की भागीदारी बढ़ाई जाए।

निष्कर्ष

महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित नीतियाँ सामाजिक न्याय, समानता एवं मानव विकास की आधारशिला हैं। इनका उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि महिलाओं और बच्चों को आत्मनिर्भर, सुरक्षित एवं सशक्त बनाना है। यदि इन नीतियों का प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से क्रियान्वयन किया जाए, तो एक स्वस्थ, शिक्षित, समानतापूर्ण एवं समृद्ध समाज का निर्माण संभव है।

संदर्भ ग्रंथ (References)

1. Friedlander, Walter A. (1977). Concepts and Methods of Social Work. Prentice Hall of India.

2. Kulkarni, P. D. (1979). Social Policy and Social Development in India. Association of Schools of Social Work in India.

3. Titmuss, Richard M. (1974). Social Policy: An Introduction. George Allen & Unwin.

4. Dubey, S. N. (2015). Social Work: An Integrated Approach. New Royal Book

Company.

5. गोयल, एस. एल. एवं गोयल, राकेश. (2018). सामाजिक कल्याण एवं सामाजिक नीति. आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स, जयपुर।

6. सिंह, आर. बी. एस. (2016). समाज कार्य एवं सामाजिक नीति. रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।